MARJ–03

June – Examination 2022

M.A. (Previous) Examination

RAJASTHANI

राजस्थानी साहित्य रौ इतिहास

Paper : MARJ-03

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- औ प्रश्न-पत्र दो खण्ड-'अ' अर 'ब' मांय बंट्योड़ौ है। हरेक खण्ड रै साम्हीं दियोड़ा निर्देसां मुजब सवालां रा पड़ूत्तर लिखौ।

खण्ड—अ **4×4=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा पड़ूत्तर देवौ। आपरै पड़ूत्तर री सबद सींव अधिकतम **30** सबद है।

1. (i) अपभ्रंश भाषा रा दूजा नांव लिखौ।

   (ii) 'मागधी' प्राकृत रौ बोली खेतर स्पस्ट करौ।

   (iii) राजस्थानी भासा रौ उद्‌भव किण अपभ्रंश सूं हुयौ ?

(iv) 'ढूंढाड़ी' बोली रौ बोली खेतर स्पस्ट करौ।

(v) मेवात अंचल में कुणसी बोली प्रचलित है ?

(vi) आदिकालीन राजस्थानी री किणी दो रचनावां अर वांरै रचनाकारां रौ नांव लिखौ।

(vii) 'विकारी सबद' किणनै कैयो जावै ?

(viii) 'सूरज' रा तीन पर्यायवाची सबद लिखौ।

खण्ड—ब **4×16=64**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **चार** सवालां रौ पड़ूत्तर देवौ। सबद-सींव **200** सबद है।

2. 'अपभ्रंश' री खास-खास विसेसतावां स्पस्ट करौ।

3. राजस्थानी भासा री जूनी लिपि 'मुड़िया' बाबत विस्तार सूं जाणकारी करावौ।

4. राजस्थानी री प्रमुख बोली 'मारवाड़ी' री विसेसतावां अर बोली खेतर स्पस्ट करौ।

5. आदिकालीन राजस्थानी जैन साहित्य सूं जुड़ी जाणकारी करावौ।

6. मध्यकालीन संत साहित्य बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

7. आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा माथै सांतरौ आलेख लिखौ।

8. मुहावरां अर लोकोक्तियां मांय कांई फरक हुवै ? उदाहरणां साथै स्पस्ट करौ।

9. 'संज्ञा' रौ अरथ स्पस्ट करता थकां इणरै भेदां रौ वरणन करौ।